



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 645]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 8, 2010/चैत्र 18, 1932

No. 645]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 8, 2010/CHAITRA 18, 1932

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 2010

(आय-कर)

का.आ. 775(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर नियम (दूसरा संशोधन) नियम, 2010 है।

(2) ये 1 अक्टूबर, 2009 से प्रवृत्त होंगे।

2. नए नियमों का अंतःस्थापन.—आय-कर नियम, 1962 के उप-भाग छ के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाए, अर्थात् :-

‘च.—स्थायर संपत्ति से भिन्न संपत्ति के उचित बाजार मूल्य का अवधारण

11प. उचित बाजार मूल्य के अवधारण में प्रयुक्त पदों के अर्थ—इस नियम और नियम 11प के प्रयोजनों के लिए,—

(क) “लेखाकार” का वही अर्थ होगा जो अधिनियम की धारा 288 के स्पष्टीकरण में समनुदेशित है;

(ख) किसी कंपनी के संबंध में “तुलनपत्र” से ऐसी कंपनी (उससे उपाबद्ध टिप्पण और लेखाओं के भाग स्वरूप सहित) का तुलनपत्र अभिप्रेत है जो मूल्यांकन की तारीख को लेखबद्ध किया गया है;

(ग) “वाणिज्यिक बैंककार” से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 3 के अधीन गठित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के साथ रजिस्ट्रीकृत प्रवर्ग 1 का वाणिज्यिक बैंककार अभिप्रेत है;

(घ) किसी शेयर या प्रतिभूति के संबंध में “कोट किए गए शेयर या प्रतिभूति” से वह शेयर या प्रतिभूति अभिप्रेत है जो समय-समय पर नियमित रूप से किसी मान्यता-प्राप्त स्टाक एक्सचेंज में कोट किए गए हैं, जहां ऐसे शेयर या प्रतिभूति कारबार के सामान्य क्रम में चालू संव्यवहार पर आधारित है;

(ङ) “मान्यता-प्राप्त स्टाक एक्सचेंज” का वही अर्थ होगा जो प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 2 के खंड (च) में यथा रूप से समनुदेशित है;

(च) “रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी” से ऐसा व्यौहारी अभिप्रेत है जो मूल्यवर्धित कर विधियों सहित किसी राज्य में तत्समय प्रवृत्त केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956 या साधारण विक्रय कर विधि के अधीन रजिस्ट्रीकृत है;

(छ) “रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक” का वही अर्थ होगा जो धन-कर अधिनियम, 1957 के नियम 8क के साथ पठित धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 34कख में समनुदेशित है;

(ज) “प्रतिभूति” का वही अर्थ होगा जो प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 2 के खंड (ज) में समनुदेशित है;

(झ) शेयरों या प्रतिभूतियों के संबंध में “कोट न किए जाने वाले शेयर या प्रतिभूति” से वे शेयर और प्रतिभूतियां अभिप्रेत हैं जो शेयर या प्रतिभूति कोट नहीं किए गए हैं;

(ञ) “मूल्यांकन तारीख” से वह तारीख अभिप्रेत है जिसको निर्धारिती द्वारा अपनी संपत्ति प्राप्त होती है।

11पक. उचित बाजार मूल्य का अवधारण.—अधिनियम की धारा 56 के प्रयोजनों के लिए, स्थावर संपत्ति से भिन्न, संपत्ति का उचित बाजार मूल्य निम्नलिखित रीति में अवधारित किया जाएगा, अर्थात् :—

(क) आभूषणों का मूल्यांकन.—

- (i) आभूषणों का उचित बाजार मूल्य उस कीमत पर प्राक्कलित किया जाएगा जिसमें ऐसे आभूषण की कीमत तब प्राप्त होती, यदि जब मूल्यांकन तारीख पर खुले बाजार में बेचा जाता हो;
- (ii) यदि किसी रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी से मूल्यांकन तारीख को क्रय द्वारा आभूषण प्राप्त होता है तो आभूषण का बीजक मूल्य उचित बाजार मूल्य होगा;
- (iii) यदि आभूषण को किसी और ढंग से प्राप्त किया जाता है और आभूषण का मूल्य पचास हजार रुपए से अधिक हो तब निर्धारिती, कीमत की बाबत रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक की रिपोर्ट प्राप्त कर सकेगा जिसमें ऐसी कीमत तब प्राप्त होती यदि जब उसे मूल्यांकन तारीख पर खुले बाजार में बेचा जाता हो;

(ख) पुरातत्वीय संग्रहण, रेखाचित्र, पेंटिंग, मूर्तिकला या कोई अन्य कलाकृति का मूल्यांकन.—

- (i) पुरातत्वीय संग्रहण, रेखाचित्र, पेंटिंग, मूर्तिकला या कोई अन्य कलाकृति (जिसे इसमें इसके पश्चात् कलाकृति कहा गया है) के उचित बाजार मूल्य को उस कीमत में प्राक्कलित किया जाएगा तब इसकी कीमत प्राप्त होती यदि जब मूल्यांकन तारीख पर खुले बाजार में बेचा जाता हो;
- (ii) यदि किसी कलाकृति को किसी रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी से मूल्यांकन तारीख को क्रय के माध्यम से प्राप्त किया जाता है तो कलात्मक कृति का बीजक मूल्य उचित बाजार मूल्य होगा;
- (iii) यदि कलाकृति को किसी और ढंग से प्राप्त किया जाता है और कलात्मक कृति का मूल्य पचास हजार रुपए से अधिक हो तब निर्धारिती, कीमत की बाबत रजिस्ट्रीकृत मूल्यांकक की रिपोर्ट प्राप्त कर सकेगा जिसमें ऐसी कीमत तब प्राप्त होती जब उसे मूल्यांकन तारीख को खुले बाजार में बेचा जाता हो ।

(ग) शेयरों और प्रतिभूतियों का मूल्यांकन.—

- (क) कोट किए गए शेयरों और प्रतिभूतियों का उचित बाजार मूल्य निम्नलिखित रीति में अवधारित किया जाएगा, अर्थात् :—
- (i) यदि कोट किए गए शेयर और प्रतिभूति किसी मान्यताप्राप्त स्टाक एक्सचेंज के माध्यम से क्रियान्वित संव्यवहार द्वारा प्राप्त किया जाता है तो ऐसे शेयर और प्रतिभूतियों का उचित बाजार मूल्य संव्यवहार मूल्य होगा जो ऐसे स्टाक एक्सचेंज में अभिलिखित है;

- (ii) यदि किसी मान्यताप्राप्त स्टाक एक्सचेंज से भिन्न ऐसे कोट किए गए शेयर और प्रतिभूतियों को क्रियान्वित संव्यवहार द्वारा प्राप्त किया जाता है तो ऐसे शेयर और प्रतिभूति का उचित बाजार मूल्य निम्नानुसार होगा,—

(क) मूल्यांकन तारीख को किसी मान्यताप्राप्त स्टाक एक्सचेंज पर कोट किए गए ऐसे शेयर और प्रतिभूति की निम्नतम कीमत होगी, और

(ख) उन मामलों में जहां मूल्यांकन तारीख को किसी मान्यताप्राप्त स्टाक एक्सचेंज पर ऐसे शेयर और प्रतिभूतियों का व्यापार नहीं है, मूल्यांकन तारीख से ठीक पहले की तारीख को मान्यताप्राप्त स्टाक एक्सचेंज पर ऐसे शेयरों और प्रतिभूतियों की न्यूनतम कीमत जब ऐसे शेयरों और प्रतिभूतियों का ऐसे स्टाक एक्सचेंज में व्यापार किया जाता है;

(ख) कोट नहीं किए गए साधारण शेयरों का उचित बाजार मूल्य, मूल्यांकन तारीख को ऐसे कोट नहीं किए गए साधारण शेयरों का मूल्य होगा जो निम्नलिखित रीति में अवधारित हो सके, अर्थात् :—

$$\text{कोट नहीं किए गए साधारण शेयरों का उचित बाजार मूल्य} = \frac{(\text{ए-एल})}{(\text{पीई})} * (\text{पीवी})$$

जहां क = तुलनपत्र में किसी आस्ति का बही मूल्य जो आय-कर अधिनियम के अधीन अग्रिम कर के रूप में किसी संदत्त रकम द्वारा कम किया गया है और जो लाभ और हानि लेखा के विकलन अतिशेष सहित तुलनपत्र में दिखाई गई कोई रकम या लाभ और हानि विनियोग लेखा जो आस्ति के मूल्य का प्रतिनिधित्व नहीं करता है ।

एल = तुलनपत्र में दर्शित दायित्वों का बही मूल्य किंतु निम्नलिखित रकम सम्मिलित नहीं है :—

- (i) साधारण शेयरों के संबंध में संदत्त पूंजी;
- (ii) अधिमानी शेयरों और साधारण शेयरों पर लाभांश के संदाय के लिए पृथक रखी गई रकम जहां ऐसा लाभांश, कंपनी के साधारण निकाय की बैठक पर अंतरण की तारीख के पूर्व घोषित नहीं किया गया है;
- (iii) अवक्षयण के लिए पृथक रखे गए से भिन्न आरक्षिती, चाहे यह किसी नाम से ज्ञात हो;
- (iv) लाभ और हानि लेखा का प्रत्यय अतिशेष;
- (v) आय-कर अधिनियम के अधीन अग्रिम कर के रूप में संदत्त रकम से भिन्न इसमें लागू विधि के अनुसार बही लाभों के प्रतिनिर्देश से अधिक संदेय कर के परिमाण तक कराधान के लिए उपबंध का प्रतिनिधित्व करने वाली कोई रकम;

(vi) अभिनिश्चित दायित्वों से भिन्न किन्हीं दायित्वों को पूरा करने के लिए किए गए उपबंधों का प्रतिनिधित्व करने वाली रकम ।

(vii) संचयी अधिमानी शेयरों की बाबत संदेय लाभांश के बकाया से भिन्न, समाश्रित दायित्व को प्रतिनिधित्व करने वाली कोई रकम ।

पीई = संदत्त साधारण शेयर पूंजी की कुल रकम जिसे तुलनपत्र में दर्शित किया गया है ।

पीवी = ऐसे साधारण शेयर का संदत्त मूल्य

(ग) कंपनी में साधारण शेयर से भिन्न कोट नहीं किए गए शेयर और प्रतिभूतियों का उचित बाजार मूल्य जो किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं है, उस कीमत के लिए प्राक्कलित किया जाएगा जिसमें ऐसी कीमत तब प्राप्त होती जब उसे यदि मूल्यांकन तारीख पर खुले बाजार में बेचा गया हो और निर्धारित, किसी वाणिज्यिक बैंक या लेखाकार से ऐसे मूल्यांकन के संबंध में रिपोर्ट प्राप्त कर सकेगा ।'

[अधिसूचना संख्या 23/2010/फा. सं. 142/21/2009-एसओ (टीपीएल)]

आशीष कुमार, निदेशक (कर नीति और विधान)

टिप्पण : मूल नियम, भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. का.आ. 969(अ), तारीख 26 मार्च, 1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम रूप से आय-कर (पहला संशोधन) नियम, 2010 को अधिसूचना संख्यांक का.आ. 424(अ), तारीख 18-2-2010 द्वारा संशोधन किया गया ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th April, 2010

(INCOME-TAX)

S.O. 775(E).—In exercise of the powers conferred by Section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called Income-tax (Second Amendment) Rules, 2010.

(2) They shall come into force from the 1st day of October, 2009.

2. Insertion of new rules.—In the Income-tax Rules, 1962, after the sub-part G, the following shall be inserted, namely :

‘H.— Determination of fair market value of the property other than immovable property

11U. Meaning of expressions used in determination of fair market value.—For the purposes of this rule and rule 11UA,—

(a) “accountant” shall have the same meaning as assigned in the Explanation to Section 288 of the Act;

(b) “balance-sheet”, in relation to any company, means the balance-sheet of such company (including the notes annexed thereto and forming part of the accounts) as drawn up on the valuation date;

(c) “merchant banker” means category I merchant banker registered with Security and Exchange Board of India established under section 3 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);

(d) “quoted shares or securities” in relation to share or securities means a share or security quoted on any recognized stock exchange with regularity from time to time, where the quotations of such shares or securities are based on current transaction made in the ordinary course of business;

(e) “recognized stock exchange” shall have the same meaning as assigned to it in clause (f) of Section 2 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956);

(f) “registered dealer” means a dealer who is registered under Central Sale-tax Act, 1956 or General Sales-tax Law for the time being in force in any state including value added tax laws;

(g) “registered valuer” shall have the same meaning as assigned to it in section 34AB of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) read with rule 8A of Wealth-tax Rules, 1957;

(h) “securities” shall have the same meaning as assigned to it in clause (h) of Section 2 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956);

(i) “unquoted shares and securities”, in relation to shares or securities, means shares and securities which is not a quoted shares or securities;

(j) “valuation date” means the date on which the respective property is received by the assessee.

11 UA. Determination of Fair Market Value.—For the purposes of Section 56 of the Act, the fair market value of a property, other than immovable property, shall be determined in the following manner, namely,—

(a) **Valuation of Jewellery.**—

(i) the fair market value of jewellery shall be estimated to be the price which such jewellery would fetch if sold in the open market on the valuation date;

(ii) in case the jewellery is received by the way of purchase on the valuation date, from a registered dealer, the invoice value of the jewellery shall be the fair market value;

(iii) In case the jewellery is received by any other mode and the value of the jewellery exceeds rupees fifty thousand, then assessee may obtain the report of registered valuer in respect of the price it would fetch if sold in the open market on the valuation date;

(b) Valuation of archeological collections, drawings, paintings, sculptures or any work of art.—

- (i) the fair market value of archeological collections, drawings, paintings, sculptures or any work of art (hereinafter referred as artistic work) shall be estimated to be price which it would fetch if sold in the open market on the valuation date;
- (ii) in case the artistic work is received by the way of purchase on the valuation date, from a registered dealer, the invoice value of the artistic work shall be the fair market value;
- (iii) in case the artistic work is received by any other mode and the value of the artistic work exceeds rupees fifty thousand, then assessee may obtain the report of registered valuer in respect of the price it would fetch if sold in the open market on the valuation date;

(c) Valuation of shares and securities.—

- (a) the fair market value of quoted shares and securities shall be determined in the following manner, namely,—
 - (i) if the quoted shares and securities are received by way of transaction carried out through any recognized stock exchange, the fair market value of such shares and securities shall be the transaction value as recorded in such stock exchange;
 - (ii) if such quoted shares and securities are received by way of transaction carried out other than through any recognized stock exchange, the fair market value of such shares and securities shall be,
 - (a) the lowest price of such shares and securities quoted on any recognized stock exchange on the valuation date, and
 - (b) the lowest price of such shares and securities on any recognized stock exchange on a date immediately preceding the valuation date when such shares and securities were traded on such stock exchange, in cases where on the valuation date there is no trading in such shares and securities on any recognized stock exchange;
- (b) the fair market value of unquoted equity shares shall be the value, on the valuation date, of such unquoted equity shares as determined in the following manner namely :—

$$\text{The fair market value of unquoted equity shares} = \frac{(A-L)}{(PE)} * (PV)$$

Where, A = Book value of the assets in Balance Sheet as reduced by any amount paid as advance tax under the Income-tax Act and any amount shown in the balance sheet including the debit balance of the profit and loss account or the profit and loss appropriation account which does not represent the value of any asset.

L = Book value of liabilities shown in the Balance Sheet but not including the following amounts :—

- (i) the paid-up capital in respect of equity shares;
- (ii) the amount set apart for payment of dividends on preference shares and equity shares where such dividends have not been declared before the date of transfer at a general body meeting of the company;
- (iii) reserves, by whatever name called, other than those set apart towards depreciation;
- (iv) credit balance of the profit and loss account;
- (v) any amount representing provision for taxation, other than amount paid as advance tax under the Income-tax Act, to the extent of the excess over the tax payable with reference to the book profits in accordance with the law applicable thereto;
- (vi) any amount representing provisions made for meeting liabilities, other than ascertained liabilities;
- (vii) any amount representing contingent liabilities other than arrears of dividends payable in respect of cumulative preference shares.

PE = Total amount of paid up equity share capital as shown in Balance Sheet.

PV = the paid up value of such equity shares.

(c) the fair market value of unquoted shares and securities other than equity shares in a company which are not listed in any recognized stock exchange shall be estimated to be price it would fetch if sold in the open market on the valuation date and the assessee may obtain a report from a merchant banker or an accountant in respect of such valuation.'

[Notification No. 23/2010/F. No. 142/21/2009-SO (TPL)]

ASHISH KUMAR, Director (Tax Policy and Legislation)

Note : The principal rules were published, *vide*, Notification No. S.O. 969(E), dated the 26th March, 1962 and last amended by Income-tax (First Amendment) Rules, 2010 *vide* Notification No. S.O. 424 (E), dated 18th February, 2010.